

अविद्यानाश पुं. (तत्.) दर्श. 1. अज्ञान या अविवेक का विनाश, विवेक का प्रादुर्भाव 2. शरीर-बंधन से छुटकारा।

अविद्यामय वि. (तत्.) अविद्या से भरा हुआ।

अविद्वत्ता स्त्री. (तत्.) विद्वत्ता का अभाव, मूर्खता, अज्ञान।

अविद्वान वि. (तत्.) 1. जो विद्वान न हो 2. मूर्ख, अपंडित 3. शास्त्र-ज्ञान से रहित विलो. विद्वान।

अविधवा वि. (तत्.) जो विधवा न हो, सधवा, सुहागिन।

अविधा स्त्री. (तत्.) विधा का न होना, प्रकार हीनता।

अविधान पुं. (तत्.) 1. विधि-विधान के विरुद्ध 2. कार्य विधान का अभाव 3. असंपादन अथवा कार्यान्वयन न करने की स्थिति वि. अवैध, विधि-विपरीत, अवैधानिक।

अविधि वि. (तत्.) विधि-विरुद्ध, अवैध, नियम के विपरीत, कार्य-विधि के प्रतिकूल पुं. विधान के विरुद्धकार्य, अविधान 2. अनियमितता।

अविधिक वि. (तत्.) जो विधि या कानून सम्मत न हो, विधि के द्वारा निषिद्ध, असांविधिक विलो. विधिक।

अविधितः क्रि.वि. (तत्.) 1. विधि-विधान के विरुद्ध किया गया 2. विधि की दृष्टि से अमान्य 3. गैर-कानूनी ढंग से।

अविधिमान्य वि. (तत्.) जो विधि की दृष्टि से मान्य न हो, जिसकी रक्षा विधि न कर सके invalid

अविधेय वि. (तत्.) 1. जो विधेय या करणीय न हो, अकार्य 2. दुष्कर।

अविनय पुं. (तत्.) 1. विनय या नम्रता का अभाव 2. उद्दंडता, अशिष्टता 3. अभिमान, घमंड वि. उद्दंड, अशिष्ट, घमंडी।

अविनश्वर पुं. (तत्.) अनाशवान वि. परमेश्वर।

अविनाभाव पुं. (तत्.) 'विना' के भाव का न होना जैसे- धुँआ आग के बिना नहीं हो सकता। अतः दर्शन की भाषा में धुँए और आग के बीच अविनाभाव संबंध है, कार्य-कारण संबंध, अटूट।

अविनाश पुं. (तत्.) विनाश का अभाव, अमरता, अक्षय।

अविनाशी वि. (तत्.) 1. जिसका विनाश न हो, अनश्वर, अक्षय 2. अजर-अमर, नित्य, शाश्वत।

अविनीत वि. (तत्.) 1. जो विनम्र न हो 2. धृष्ट, ठीठ, अशिष्ट, गुस्ताख, दुर्विनीत 3. उजड़, उद्धत 4. घमंडी विलो. विनीत।

अविनीता स्त्री. (तत्.) 1. कुलटा, व्यभिचारिणी, दुराचारिणी, चरित्रहीन स्त्री 2. धृष्ट या उद्धत स्त्री विलो. विनीता।

अवि-पट पुं. (तत्.) अवि (भेड़) से प्राप्त पट (वस्त्र), भेड़ की खाल, ऊनी कपड़ा।

अविपद् स्त्री. (तत्.) विपत्ति का अभाव, संपत्ति, सुख, समृद्धि।

अविपन्न वि. (तत्.) 1. जो विपन्न या विपद्-ग्रस्त न हो 2. अदूषित, स्वस्थ, नीरोग।

अविपर्यय पुं. (तत्.) विकार का न होना, क्रम के विरुद्ध न होना।

अविपाक पुं. (तत्.) अजीर्ण रोग वि. अजीर्ण से ग्रस्त।

अविपाल पुं. (तत्.) भेड़ पालने वाला, भेड़-बकरियाँ चराने वाला, गड़रिया।

अविबुध वि. (तत्.) जो ज्ञानी न हो, मूर्ख।

अविभक्त वि. (तत्.) 1. जो विभाजित या अलग न किया गया हो 2. मिला हुआ 3. अविभाजित, अभिन्न विलो. विभक्त।

अविभक्त कुटुंब पुं. (तत्.) वह परिवार जिसमें दो या दो से अधिक पीढ़ियों के सदस्य एक साथ जीवन-निर्वाह करते हुए साथ-साथ रह रहे हों और जिसके सदस्यों के बीच परिवार की